No. of Printed Pages : 6 **BHDE–144**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य/ऑनर्स) हिन्दी

(बी.ए.जी./बी.ए.एच.डी.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एच.डी.ई.–144 : छायावाद

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***पहला*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) क्यों व्यथित व्योम-गंगा-सी

छिटका कर दोनों छोरें;

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

चेतना तरंगिनी मेरी

लेती है मृदुल हिलोरें।

जीवन की जटिल समस्या

है बढ़ी जटा-सी कैसी;

उड़ती है धूल हृदय में

किसकी विभूति है ऐसी ?

(ख) सिंही की गोद से

छीनता रे शिशु कौन ?

मौन भी क्या रहती वह

रहते प्राण ? रे अजान !

एक मेषमाता ही

रहती है निर्निमेष–

दुर्बल वह–

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

छिनती संतान जब

जन्म पर अपने अभिशप्त

तप्त आँसू बहाती है;–

किन्तु क्या,

योग्य जन जीता है,

पश्चिम की उक्ति नहीं–

गीता है, गीता है।

(ग) ज्यों-ज्यों लगती है नाव पार

उर में आलोकित शत विचार !

इस धारा-सा ही जग का क्रम,

शाश्वत इस जीवन का उद्गम,

शाश्वत है गति, शाश्वत संगम !

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(घ) तू जल-जल जितना होता क्षय,

यह समीप आता छलनामय,

मधुर मिलन में मिट जाना तू,

उसकी उज्ज्वल स्मित में घुल खिल !

मदिर-मदिर मेरे दीपक जल !

प्रियतम का पथ आलोकित कर !

(ङ) विरह का जलजात जीवन

विरह का जलजात !

वेदना में जन्म करुणा में मिला आवास

अश्रु चुनता दिवस इसका

अश्रु चुनती रात !

जीवन विरह का जलजात !

आँसुओं का कोष उर

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

दृग अश्रु की टकसाल

तरल जल-कण से बने घन-सा

क्षणिक मृदु गात

जीवन विरह का जलजात !

2. छायावाद की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

3. जयशंकर प्रसाद की सौन्दर्य चेतना का विवेचन कीजिए। 16

4. निराला के रचना विधान को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 16

5. एक कवि के रूप में पंत के महत्व को रेखांकित कीजिए। 16

6. महादेवी वर्मा की सृजनात्मकता का मूल्यांकन कीजिए। 16

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

7. 'चिंता सर्ग' के प्रतिपाद्य का विवेचन कीजिए। 16

8. 'जूही की कली' कविता का विश्लेषण करते हुए इसके महत्व की चर्चा कीजिए। 16

9. 'नौका विहार' कविता का विवेचन करते हुए उसके वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए। 16

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com